सांध्य दैनिक 4PM

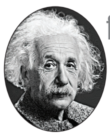

शिक्षा तथ्यों को सीखना नहीं है, बल्कि मन को सोचने का प्रशिक्षण देना है।
-अल्बर्ट आइंस्टीन

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 241 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 22 दिसम्बर, 2023

भारत ने दक्षिण अफ्रीका से सीरीज... 7 | कितना कारगर हो सकता है... 3 | यूपी के अस्पतालों में बढ़ी... 2

गूंगी-बहरी मोदी सरकार को जगाने के लिए सड़क पर विपक्षी हुंकार

» सांसदों के निलंबन के खिलाफ जंतर-मंतर पर विपक्षी नेताओं का धरना प्रदर्शन
» खरगे-राहुल भी रहे मौजूद अन्य राज्यों में भी बीजेपी के खिलाफ हल्लाबोल
» बोले नेता- संविधान व लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र भले ही समाप्त हो गया हो पर विपक्ष सांसदों के निलंबन पर बीजेपी सरकार को छोड़ने की मूड में नहीं है। इस मुद्दे को लेकर पूरे देश में इंडिया गठबंधन ने मोदी के खिलाफ जमकर धरना प्रदर्शन किया है। विपक्ष ने मोदी सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी लोकतंत्र व संविधान को खत्म कर देना चाहती है। विपक्ष ने कहा गूंगी-बहरी सरकार को जगाने के लिए पूरे देश में प्रदर्शन किया जाएगा।

भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (आईएडीआईए) के नेता शुक्रवार को राजधानी दिल्ली में 146 विपक्षी सांसदों के निलंबन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। गुरुवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए गए संसद के शीतकालीन सत्र से निलंबित सांसद सुबह 11 बजे जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही आज कांग्रेस पार्टी की ओर से सभी जिला मुख्यालयों पर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन का भी कार्यक्रम तय किया गया है। निलंबित सांसदों में शामिल कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि इंडिया ब्लॉक का शुक्रवार का विरोध सभी राज्यों में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विरोध करना उचित है और हम सभी दिल्ली में जंतर मंतर पर होंगे। इंडिया गठबंधन का विरोध कल (शुक्रवार) सुबह सभी राज्यों में होगा, क्योंकि हम जनता को दिखाना चाहते हैं कि क्या वे इस तरह से संसद चलाएंगे और विपक्ष की बात नहीं सुनेंगे तो वे लोकतंत्र को बर्बाद कर देंगे।

फोटो: सुमित कुमार

भाजपाइयों की हवा निकल गई : राहुल गांधी

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि कुछ दिन पहले संसद भवन में दो युवा कूदकर अंदर आ गए। उन्हें कूदते हुए हम सबने देखा। वे अंदर आए, उन्होंने थोड़ा धुआं फैलाया, भाजपा के सभी सांसद भाग गए। जो अपने आप को देश भक्त कहते हैं, उनकी हवा निकल गई। वे अंदर कैसे आए? संसद के अंदर वे गैस का सिलेंडर ले आए? उन्होंने ये विरोध क्यों किया? उसका कारण क्या था? बेरोजगारी! इस देश का युवा आज रोजगार नहीं पा सकता है। राहुल ने कहा कि हम सब विपक्ष के नेता और विपक्ष के कार्यकर्ता एक साथ खड़े हैं। ये लड़ाई नफरत और मोहब्बत के बीच की लड़ाई है। नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोल रहे हैं। जितनी आप नफरत फैलाओगे, उतना इंडिया गठबंधन मोहब्बत फैलाएगा।

अब विदेश में क्या बोलेंगे पीएम साहब : मनोज झा

राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि लोकतंत्र की हत्या हो गई है। अब लोकतंत्र को पुनर्जीवित करना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विदेश जाते हैं तो सीना ठोककर बोलते हैं कि लोकतंत्र की जननी से आया हूं, अब क्या सीना ठोकेंगे पीएम साहब? कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि इस देश में लोकतंत्र को कायम रखने के लिए जरूरी है कि जितने प्रगतिशील राष्ट्रवादी संगठन हैं वह एक साथ आएं और एक आवाज में संदेश दें।

छत्तीसगढ़ : विष्णु देव सरकार का हुआ कैबिनेट विस्तार

» सीएम की मौजूदगी में नौ मंत्रियों ने ली शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कैबिनेट का आज विस्तार हो गया। सीएम अपनी कैबिनेट में नौ नए मंत्रियों को शामिल किया। वहीं सीएम ने राज्यपाल भवन में नौ कैबिनेट मंत्रियों के नामों की घोषणा की और उन्होंने शपथ लिया। इस बीच भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने मंत्री पद की शपथ ले ली है।

भाजपा विधायक रामविचार नेताम, दयालदास बघेल, केदार कश्यप, लखनलाल देवांगन, श्याम बिहारी जायसवाल, ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा और लक्ष्मी राजवाड़े ने भी शपथ ले ली है। मंत्री पद की शपथ लेने से पहले भाजपा विधायक लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि भाजपा ने मेरे जैसी छोटी पार्टी कार्यकर्ता को मौका दिया, मुझे खुशी है कि मैं सिर्फ भटगांव विधानसभा क्षेत्र का ही नहीं बल्कि पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व करूंगी। उन्होंने कहा कि मैं महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए पार्टी के निर्देशानुसार काम करूंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ मंत्रियों के अलावा बाकी मंत्रियों को भी जल्द शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गवर्नर हाउस में हमारे मंत्रिमंडल के नये सदस्य शपथ ले रहे हैं, जिनकों बाद में जिम्मेदारी दी जाएगी। इससे पहले 17 दिसंबर को आगामी लोकसभा चुनाव से पहले कैबिनेट गठन में सोशल इंजीनियरिंग और बंटवारे को तरजीह दी गई थी। इसके साथ ही चुनावी घोषणापत्र और पार्टी के एजेंडे को लेकर भी गहन चर्चा हुई।

भाजपा सरकार में बेटियों की इज्जत के साथ हो रहा खिलवाड़ : सुरजेवाला

» कहा- खेल संघों पर बीजेपी दबंगों ने किया कब्जा
» पदक विजेताओं को रुला रही मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कुश्ती महासंघ पर फिर सांसद बृजभूषण सिंह के विश्वास पात्र संजय सिंह के अध्यक्ष चुने जाने पर विपक्ष के निशाने पर मोदी सरकार आ गई है। कांग्रेस ने रेसलर्स के मुद्दे पर केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि बेटियों की इज्जत के साथ खिलवाड़ हो रहा है, केंद्र सरकार ने बेटियों को न्याय नहीं दिया। न ही बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार किया गया।

उन्होंने कहा, सारे खेल संघों पर बीजेपी ने कब्जा कर लिया है। पहलवान बेटियों के यौन शोषण के आरोपी बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह के करीबी संजय सिंह के चुनाव जीतने के बाद ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला पहलवान साक्षी मलिक का संन्यास लेना भारत के खेल इतिहास में एक काला अध्याय है। किसान की पहलवान बेटी की आंख से निकला हर आंसू मोदी सरकार की बेशर्मी का प्रमाण है। बीजेपी का नारा है- बेटी रुलाओ, बेटी सताओ और बेटियों को घर बिठाओ। देश का दुर्भाग्य है कि हरियाणा के साधारण किसान परिवार की जिस बेटी ने पहला ओलंपिक मेडल जीता, उसे आज मोदी सरकार के दबदबे ने वापस घर जाने पर मजबूर कर दिया है।

विनेश, साक्षी व बजरंग निराश

चुनावों के नतीजों को रेसलर बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने निराशाजनक बताया। साक्षी मलिक ने तो कुश्ती से संन्यास का ऐलान कर दिया। इन तीनों पहलवानों के नेतृत्व में ही कई रेसलर्स ने बृजभूषण के खिलाफ जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया थ । इन पहलवानों ने बृजभूषण पर महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था।

यूपी के अस्पतालों में बढ़ी अराजकता

» पूर्व सीएम अखिलेश का आरोप, भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कुछ नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एकबार फिर यूपी के अस्पतालों की दुर्दशा पर योगी सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। प्रदेश पूर्व सीएम ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। राजधानी लखनऊ के बड़े अस्पतालों से लेकर जिले तक के अस्पताल अराजकता के शिकार है।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में अभी तक एक भी जिला स्तर के अस्पताल का निर्माण नहीं कराया है, जहां गरीबों का मुफ्त इलाज हो सके। अखिलेश ने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार में मरीजों को 108 एम्बुलेंस सेवा भी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में अराजकता की स्थिति देखकर जनता सवाल पूछती है कि प्रदेश में कोई स्वास्थ्य मंत्री है या नहीं है। पीजीआई लखनऊ में आपरेशन थियेटर में आग लगना बेहद गंभीर विषय है।

24 को सपा की ब्राह्मण महापंचायत में बनेगी रणनीति

पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक (पीडीए) के नारे को लेकर चुनावी मैदान में उतरी समाजवादी पार्टी अब ब्राह्मणों को भी साधेगी। 24 दिसंबर को ब्राह्मणों के स्वाभिमान को लेकर महापंचायत का आयोजन राष्ट्रीय कार्यरत पार्टी के नाम से सपा मुख्यालय में किया जाएगा। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव मुख्य अतिथि होंगे। चुनावी बेला से पहले सभी जातियों को साधने में सभी दल जुटे हैं। पिछड़ों और दलितों को अपने पाले में खींचने के लिए एक तरफ रणनीति बनाई जा रही है तो दूसरी तरफ अल्पसंख्यकों का वोट पाने के लिए भी सपा और कांग्रेस में सीधी जंग छिड़ी है। अब सभी दल ब्राह्मणों पर डोरे डाल रहे हैं। पिछले दिनों लखनऊ में आयोजित ब्राह्मण महासम्मेलन का आयोजन एक संगठन ने किया था लेकिन भाजपा नेताओं के चेहरे ही आयोजन में छाये थे। पीडीए नारे के साथ चुनावी जंग में उतरी सपा ने भी ब्राह्मणों के बीच पैठ बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी के तहत 24 दिसंबर को लखनऊ में सपा मुख्यालय में ब्राह्मण महापंचायत का आयोजन किया जा रहा है। ब्राह्मण स्वाभिमान और उनके अधिकार व हक की लड़ाई के साथ नारे के साथ महापंचायत गुमनाम से राष्ट्रीय कार्यरत पार्टी के बैनर तले कराया जा रहा है। महापंचायत में ज्यादा से ज्यादा ब्राह्मणों को जुटाने के लिए सपा जोर शोर से जुटी है। जिला स्तर पर बड़े ब्राह्मण चेहरों से संपर्क किया जा रहा है।

गोवा में राम मनोहर लोहिया को किया नमन

समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी ने गोवा के मडगांव स्थित लोहिया मैदान में डॉ राममनोहर लोहिया की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको नमन किया। लोहिया मैदान में प्रतिमा के समीप भारतीय संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित शिलापट्ट, मनोहर राय सरदेसाई की कविता 18 जून और लोहिया मैदान के मंच को भी देखा। क्रांति दिन समिति के कोषाध्यक्ष विनायक मोडेडकर ने गोवा के स्वतंत्रता संग्राम में 18 जून को मडगांव की सभा में डॉ राममनोहर लोहिया से जुड़ी दुर्लभ जानकारियां साझा कीं। किया। इस अवसर पर राजेंद्र चौधरी ने कहा कि गोवा से समाजवादियों का पुराना संबंध रहा है। लोहिया ने आजादी की जो अलख जगाई थी उसी का परिणाम है कि आज गोवा स्वतंत्र हैं।

संक्षिप्त खबरें

ममता सरकार पत्रकारों को बना रहा निशाना : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने प. बंगाल में पत्रकारों पर हो रहे जानलेवा हमलों की बढ़ती घटनाओं पर चिंता जाहिर करते हुए राज्य सरकार को मीडिया के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार करने की नसीहत दी है। राज्यसभा में तृणमूल सांसद डोला सेन के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि प. बंगाल इकलौता राज्य है, जहां विकसित भारत संकल्प यात्रा की गाड़ियों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। राज्य में बीते आठ सालों में पत्रकारों पर हमले की बाढ़ आ गई है। वह भी तब, जब गृह मंत्रालय ने परामर्श जारी कर राज्यों को ऐसे हमलों का संज्ञान लेने का निर्देश दिया है। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया के भी तमाम प्रयासों के बावजूद ऐसी घटनाएं नहीं रुक रहीं। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान उपराष्ट्रपति की मिमिक्री के मामले में विपक्ष और खासतौर से राहुल गांधी की तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे देश को शर्मशार किया है। राहुल गांधी की ओर से मिमिक्री का वीडियो बनाए जाने को शर्मनाक बताते हुए उन्होंने कहा कि इन्होंने साबित किया है कि इनके नाम बड़े और दर्शन छोटे हैं।

सेब, अखरोट, बादाम और केसर उत्पादन में बढ़ रहा जम्मू-कश्मीर : मनोज सिन्हा

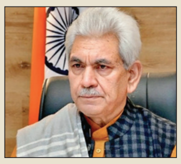

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्पाल मनोज सिन्हा ने कहा कि सेब, अखरोट, बादाम और केसर के उत्पादन में जम्मू-कश्मीर पहले स्थान पर है। प्रदेश को भारत का फलों का टोकरी भी कहा जाता है। खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में अपार संभावनाएं फल उत्पादकों के भाग्य को बदलने और आर्थिक विकास के प्रमुख चालकों में से एक बनने में सक्षम होंगी।जम्मू-कश्मीर में उद्योगों के लिए लालफीताशाही का स्थान लालकालीन ने ले लिया है। हम खाद्य प्रसंस्करण, सब्जियां, बेकरी उत्पादन, न्यूट्रास्यूटिकल्स के विभिन्न क्षेत्रों में अवसर प्रदान कर रहे हैं। जीआई प्रमाणन निवेशकों को वैश्विक ब्रांड और खाद्य सुरक्षा और गुणवत्ता के अंतर्राष्ट्रीय मानक बनाने में मदद करेगा। इसके साथ ही अपोलो अस्पताल के साथ भूमि विलेख का आदान-प्रदान किया गया है। उपराज्यपाल ने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र के सबसे बड़े खिलाड़ियों में से एक अपोलो के लिए केंद्र शासित प्रदेश में औपचारिक रूप से जमीनी काम शुरू करने का मार्ग प्रशस्त कर दिया गया है। वास्थ्य सेवा प्रणाली को बढ़ावा देगा और रोजगार, स्व-रोजगार और उद्यमिता के अवसरों को बढ़ाएगा।

सीएम केजरीवाल को खत्म करना चाहती है बीजेपी : आप

» चुनावों में मुकाबला नहीं कर पाने से डरी मोदी सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी नेताओं ने एकबार फिर आरोप लगाया है कि भाजपा के इशारे पर प्रवर्तन निदेशालय आम आदमी पार्टी को जांच मामले में फंसाने की कोशिश कर रही है। यह कोशिश आम आदमी पार्टी को समाप्त करने के लिए की जा रही है। उसका कहना है कि आम आदमी पार्टी को फंसाने की कोशिश इसलिए की जा रही है, क्योंकि भाजपा आम आदमी पार्टी से चुनावों में मुकाबला नहीं कर पा रही है।

वहीं आरोप है कि शराब घोटाले से प्राप्त कमाई का आम आदमी पार्टी ने गोवा और पंजाब के विधानसभा चुनावों में उपयोग किया। इसके आधार पर शराब घोटाले में जांच एजेंसी ईडी ने आम आदमी पार्टी को भी आरोपी बना लिया है। यदि आरोप सिद्ध हो जाते हैं, तो इसका आम आदमी पार्टी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है। आम आदमी पार्टी लंबे समय से कह रही है कि उसके नेता अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने की तैयारी चल रही है। स्वयं भाजपा के भी

कई नेता कहते रहे हैं कि शराब घोटाले में अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी तय है।

केजरीवाल को करना पड़ेगा जेलासना : भाजपा

भाजपा ने अरविंद केजरीवाल के विपश्यना कार्यक्रम के बहाने ईडी के सामने पेश न होने को कानून की एजेंसियों का उपहास उड़ाने की कोशिश करार दिया है। पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल एजेंसी की जांच से बचने की कोशिश कर रहे हैं। इसके पहले दो नवंबर को भी जब उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया था, तब उन्होंने मध्यप्रदेश के विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी व्यवस्तता बताई थी। लेकिन उनके सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। भाजपा नेता के अनुसार, यह दिखाता है कि आम आदमी पार्टी या अरविंद केजरीवाल चुनाव के लिए गंभीर नहीं थे, बल्कि वे चुनावों का उपयोग जांच से बचने के लिए कर रहे थे। इस बार विपश्यना को वे जांच एजेंसी से बचने के लिए उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने तंज करते हुए कहा कि केजरीवाल चाहे जो उपाय कर लें, विपश्यना के बाद उन्हें जेलासना करना पड़ेगा (यानी उन्हें जेल जाना पड़ेगा।

हर मुद्दे पर फेल है भाजपा सरकार : अजय

» बोले- बेरोजगार, नौजवान और महिलाओं समेत सभी वर्ग के लोग परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवबन्द। 'यूपी जोड़ो यात्रा'' के दौरान सहारनपुर में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने बीजेपी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने यात्रा के दौरान लोगों से कांग्रेस से जुड़ने की अपील की। उन्होंने लोगों से कहा कि मोदी व योगी सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। इस सरकार में बेरोजगार, नौजवान, महिलाएं, गन्ना किसान, व्यापारी सब परेशान हैं। आम नागरिकों, नौजवानों, किसानों के द्वारा मिला अपार जनसमर्थन कांग्रेस का प्यार,मोहब्बत, भाईचारे का संदेश लेकर 'यूपी जोड़ो यात्रा' को प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को यात्रा के दूसरे दिन सहारनपुर के विभिन्न स्थानों पर जनता का भरपूर समर्थन मिला।

कई जगह पार्टी कार्यकर्ताओं लोग घरो, दुकानों से निकल कर स्वागत किया। रास्ते में क्षत्रिय समाज के लोगों ने स्वागत किया महाराणा प्रताप के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कांग्रेस प्रवक्ता संजीव सिंह ने बताया कि पूरे प्रदेश से कार्यकर्ताओं का बढ़ता हुजूम इस बात का इशारा कर रही है कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचते तक यह यात्रा एक बड़े परिवर्तन का द्योतक बनेगी। आज की यात्रा में अजय राय का स्वागत करने घरों से निकली।

यात्रा एक बड़े परिवर्तन का बन रही द्योतक

बीजेपी नहीं बलात्कारी जन पार्टी कहिए : संजीव सिंह

देवबन्द दारूल ऊलम में नुक्कड़ बैठक में स्थानीय समस्याओं को सुनते हुए महिला सुरक्षा के प्रश्न पर संजीव सिंह कहा कि बीजेपी बलात्कारी जन पार्टी है जो सोनभद्र विधायक को बालिका के बलात्कार के दोषी को विधायक तब तक बनाए रखा जब तक जेल नहीं गए। किसानो के सवाल पर कहा-2022 में किसानो की फसल का दुगना दाम देने को कहा आज 2023 समाप्त हो रहा है दुगना देने को कौन कहे आज गन्ना किसानो का हजारो करोड़ बकाया नही दे पाई सरकार, वही मंहगाई से उनके खेती किसानी में खाद्य बीज, यूरिया इत्यादि के दाम दोगुने बढ गये तो आम नागरिक परेशान है।

इमरान बने चिकित्सा प्रकोष्ठ के संयोजक

लखनऊ। कांग्रेस संगठन के प्रति निष्ठा, कार्यकुशलता एवं सिद्धान्तों के अनुरूप चिकित्सा के क्षेत्र में लोगों के कल्याण की दिशा में किये जा रहे लगातार सतत प्रयासों को दृष्टिगत रखते हुए डॉ. मोहम्मद इमरान खान को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ के चेयरमैन डॉ. जियाराम वर्मा द्वारा प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक मनोनीत किया गया है। डॉ. मोहम्मद इमरान खान को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी चिकित्सा प्रकोष्ठ का संयोजक मनोनीत किये जाने पर प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह ने उन्हें उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

चौ. चरण सिंह को मिले भारत रत्न : लोकदल

» कल पूर्व पीएम को दी जाएगी श्रद्धाजंलि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती 23 दिसंबर को है। जयंती से पहले ही लोकदल की तरफ से चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न देने देने के लिए प्रधानमंत्री को पत्र भेजा गया है। 23 दिसंबर तक दिल्ली में किसानों से चौधरी चरण सिंह के जयंती पर 5000 गावों से किसान बड़ी संख्या में किसानों दिल्ली पहुंचने के लिए आह्वान भी किया गया है। वहां पहुंचने का उद्देश्य चौधरी चरण सिंह के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना है।

साथ ही लोकदल ने केंद्र सरकार से मांग है कि चौधरी चरण सिंह की जयंती पर सरकार किसान मसीहा चौधरी चरण सिंह को उनकी जयंती पर भारत रत्न देकर उन्हें सम्मानित करे। इन शहरों से किसान दिल्ली के किसान घाट पहुचेंगे। शामली ,अलीगढ़, आगरा, मेरठ, बुलंदशहर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, बागपत, बिजनौर, मेरठ और गाजियाबाद। चौधरी सुनील सिंह ने कहा है कि किसानों के हितों के लिए संघर्ष जारी है। चौधरी चरण सिंह ने किसानों के हित में बड़े काम किए हैं। हम उनके बताए रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। लोकदल हमेशा किसानों का अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रहा है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

कितना कारगर हो सकता है इंडिया गठबंधन का 'खरगे कार्ड'

खरगे के बहाने दलित वोटों को साधने का प्रयास

ममता ने मल्लिकार्जुन खरगे को पीएम उम्मीदवार बनाने का रखा प्रस्ताव

» उत्तर से लेकर दक्षिण तक पहुंचा सकते हैं विपक्ष को फायदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश के अंदर 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर अभी से ही माहौल बनना शुरू हो गया है। सभी दल अपने-अपने तरीकों से अपनी-अपनी योजनाओं की रूपरेखा तैयार करने में जुट गए हैं। एक ओर सत्ता पक्ष है जो किसी न किसी बहाने से विपक्ष को ही घेरता रहता है और संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसदों को निलंबित करता रहता है। तो दूसरी ओर विपक्ष है जो सरकार पर लोकतंत्र को कुचलने और विपक्ष की आवाज को दबाने का आरोप लगाता रहता है। ऐसे में अब यहीं से 24 के मुद्दे बनने शुरू हो गए हैं। इन्हीं मुद्दों के आधार पर 24 के चुनाव को धार देने का प्रयास किया जाएगा। 2024 में सत्ताधारी दल भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए पूरा विपक्ष एकजुट होकर इंडिया गठबंधन के बैनर तले आया है।

अब विपक्षी दल एकजुट होकर आ तो गए हैं। लेकिन इन्हें 2024 से पहले आपसी सामंजस्य भी बिठाना पड़ेगा और दलों के साथ दिलों को भी मिलाना पड़ेगा। तभी 24 में भाजपा के सामने एक मजबूत विपक्ष खड़ा हो पाएगा। अब इस विपक्ष और इंडिया गठबंधन को मजबूत बनाने के लिए 19 दिसंबर को इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक राजधानी दिल्ली में की गई। इस बैठक में लगभग 28 विपक्षी राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया। बैठक से पहले सबसे बड़ा सवाल और मुद्दा ये ही था कि क्या इस बैठक में सीट शेयरिंग पर बात बनेगी? क्योंकि शुरूआत से ही इंडिया गठबंधन में सबसे बड़ा मुद्दा सीट बंटवारा ही रहा है। क्योंकि जब अलग-अलग राज्य और अलग-अलग पृष्ठभूमि के कई दल एक साथ आते हैं तो उनमें सीट बंटवारे को लेकर सामंजस्य बनना काफी मुश्किल होता है। इसलिए ऐसी उम्मीद थी कि इस बैठक के बाद सीट बंटवारे का रास्ता साफ हो जाएगा। हालांकि, इस पर चर्चा हुई लेकिन अभी तक कोई रास्ता नहीं निकला। तो वहीं इंडिया गठबंधन में पीएम उम्मीदवार को लेकर भी संशय बना हुआ है। क्योंकि इस गठबंधन में कई चेहरे ऐसे हैं जो देश की राजनीति में अपना एक खास वजूद रखते हैं। गाहे-बगाहे खुद को पीएम उम्मीदवार के रूप में भी देखते रहते हैं। ऐसे में विपक्षी दलों के लिए जरूरी है कि अपने गठबंधन से एक नाम को आगे करें। ताकि ये साफ हो सके कि 2024 में मोदी के सामने किसका चेहरा होगा। इसके लिए गठबंधन से राहुल गांधी, ममता बनर्जी, मल्लिकार्जुन खरगे, नीतीश कुमार और अरविंद केजरीवाल जैसे नाम आगे आते रहे हैं। लेकिन जब कई दल एकसाथ होते हैं तो जरूरी होता है कि पीएम फेस कोई ऐसा लीडर हो जो सभी को साथ लेकर चल सके और जिसके नाम पर सभी दल सहमत हो सकें। अभी तक इंडिया गठबंधन में ऐसा कोई नाम सामने नहीं आया था। लेकिन अब जब

कांग्रेस को अपने दम पर जीतनी होंगी कम से कम 100 सीटें

हालांकि, ये सारी उम्मीदें इन बातों पर निर्भर करेगी कि क्या अगले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस अपने दम पर 100 सीटों का आंकड़ा पार कर पाएगी। इंडिया गठबंधन के भीतर और बाहर कई लोग हैं जो महसूस करते हैं कि कांग्रेस का प्रदर्शन 2024 के आम चुनावों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू होगा। फिलहाल अभी तो इंडिया गठबंधन ने पीएम फेस को किनारे कर दिया है और चुनाव जीतने को अपना प्रमुख लक्ष्य बनाया है। ऐसे में अब प्रमुख लक्ष्य सीट बंटवारे को निर्धारित करके चुनाव जीतना है। हालांकि, मल्लिकार्जुन खरगे विपक्ष के सबसे योग्य और मजबूत दावेदार हो सकते हैं। जो निश्चित 2024 में भाजपा और पीएम मोदी की भी मुश्किलें बढ़ा सकते हैं। आगे क्या होता है ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

खरगे में हैं कई खूबियां...

मल्लिकार्जुन खरगे की ताकत की बात करें तो कांग्रेस के दृष्टिकोण से, खरगे की सबसे बड़ी उपलब्धि पार्टी के कामकाज में एक हद तक सहजता और सामान्य स्थिति लाना है। एक अनुभवी राजनेता के रूप में, जहां परिवार की साजिशें चलती है, जहां चाटुकारिता का बोलबाला रहता है और जो जगह अतीत में अयोग्य उस्तादों का अड्डा रहा करता था, वहां खरगे कांग्रेस जैसी विशाल पार्टी में महज एक गुट के नेता नहीं बने हैं। धीरे-धीरे वो संगठन पर पकड़ मजबूत कर रहे हैं। गांधी फैमिली के लिए वो भरोसेमंद बनते जा रहे हैं और उन्होंने बड़ी विपक्षी पार्टियों के साथ बातचीत का रास्ता खोल दिया है। अगर खरगे इंडिया गठबंधन का चेहरा रहते हैं तो वो दक्षिण में कांग्रेस को और भी मजबूती दिला सकते हैं। क्योंकि कर्नाटक से आने वाले खरगे की कर्नाटक की जीत में काफी अहम भूमिका रही है। ऐसे में खरगे कांग्रेस को पांच दक्षिणी राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश से बड़ी संख्या में सीटें दिलाने में मदद कर सकते हैं। इसके अलावा चुना हुआ राजनेता, संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के नेता, केंद्रीय मंत्री व राज्य मंत्री के रूप में खरगे का अनुभव उन्हें शीर्ष पद के लिए एक आदर्श उम्मीदवार बनाने और भी अधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2024 के चुनाव में 4 महीने का ही वक्त शेष रह गया है, तो जरूरी है कि विपक्ष अपनी रणनीति और अपने चेहरों को साफ कर ले। ताकि उसी हिसाब से आगे की रणनीति तैयार की जा सके।

ममता बनर्जी के प्रस्ताव का केजरीवाल का समर्थन

जब इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक आयोजित हुई तो पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम इंडिया गठबंधन के पीएम फेस के लिए प्रस्तावित किया। ममता बनर्जी के इस प्रस्ताव का आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पूरा समर्थन भी किया। तो वहीं खबरें ये भी आई कि ममता के इस प्रस्ताव का केजरीवाल समेत लगभग 12 दलों ने समर्थन किया। हालांकि, खुद मल्लिकार्जुन खरगे ने ही ममता के इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और कहा कि हमें पहले चुनाव जीतने पर ध्यान देना चाहिए। चुनाव जीतने के बाद पीएम फेस तय करेंगे। वहीं ममता के पीएम फेस के प्रस्ताव पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पहले जीत के आना है, उसके बाद इस बारे में बात होगी। हम पहले जीतने की कोशिश करेंगे। उसके बाद सांसद लोकतांत्रिक ढंग से फैसला करेंगे। लोकतंत्र को बचाने के लिए हम सभी को लड़ना होगा। सभी ने यह फैसला किया कि आगे किस तरह से मिलकर काम करना है। खरगे ने बताया कि सभी दलों ने 8-10 जनसभाएं करने का फैसला किया है। तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली या पंजाब- सीट बंटवारे संबंधी मुद्दे को सुलझा लिया जाएगा।

खरगे के नाम से नीतीश अखिलेश और लालू खुश!

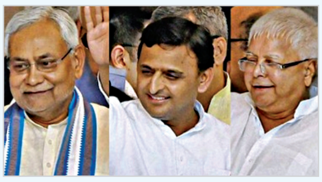

हालांकि, ममता के इस प्रस्ताव से राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव और जदयू नेता नीतीश कुमार के नाराज होने की भी चर्चाएं हैं। कहा जा रहा है कि ममता के प्रस्ताव से खफा होकर नीतीश और लालू ने बैठक छोड़ दी थी और संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले ही होटल से निकल गए थे। हालांकि, ये सिर्फ चर्चाएं इनका कोई आधार नहीं है। तो वहीं ममता बनर्जी ने भी इस तरह की चर्चाओं से इंकार किया है। वहीं चर्चाएं ये भी हैं कि जब ममता बनर्जी ने खरगे के नाम का प्रस्ताव रखा तो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत कुछ एक अन्य दलों के नेता भी चुप्पी साध गए। यानी तत्काल विरोध नहीं किया। संभावना है कि बात चली है तो आने वाले दिनों में इस पर सहमति बनाने की कोशिशें भी तेज हो सकती हैं। इतना ही नहीं, ममता ने सीट बंटवारे की निगरानी के लिए भी खरगे को कमेटी का संयोजक बनाने का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, दोनों प्रस्तावों पर अभी कोई निर्णय नहीं हो पाया है।

यूपी-बिहार में भी निभा सकते हैं बड़ी भूमिका

इसके अलावा खरगे उस क्षेत्र में मजबूती से खड़े हैं जहां भाजपा कमजोर है। वह गठबंधन और समझौते की राजनीति में डार्क होर्स के विजेता के रूप में उभर सकते हैं। साथ ही खरगे पर कोई गंभीर आरोप नहीं हैं और भाजपा भी उन पर हमला बोलने से कतराती है। कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में, खरगे के पास इंडिया गठबंधन के संयोजक के रूप में नीतीश कुमार या ममता बनर्जी के नाम की वकालत करने की ताकत है। एक संयोजक की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि वही इंडिया गठबंधन का सचिवालय चलाएगा, चुनाव प्रबंधन तंत्र पर नजर रखेगा और कॉमन मिनिमम प्रोग्राम को अंतिम रूप देगा। इसके अलावा अगर खरगे पीएम फेस होते हैं तो वो दक्षिण के साथ-साथ उत्तर भारत में भी विपक्ष के लिए लाभकारी साबित हो सकते हैं। उनके आधार पर विपक्ष यूपी और बिहार को भी साध सकता है। क्योंकि खरगे दलित जाति से आते हैं और इन राज्यों में दलित वोटर एक अहम भूमिका निभाता है। हालांकि, अभी तक यूपी में मायावती का दलित वोटर्स पर एक बड़ा प्रभाव रहा है। लेकिन पिछले कुछ वक्त में भाजपा ने उस वोट बैंक में बड़ी सेंधमारी की है। ऐसे में अगर इंडिया गठबंधन खरगे को आगे करता है तो बेशक खरगे का दलित कार्ड यूपी-बिहार जैसे हिंदी भाषी राज्यों में विपक्ष छोड़ेगा जिसे उसे फायदा भी मिल सकता है। वहीं खरगे के केंद्र में आने से मायावती के रुख पर भी नजर रहेगी। क्योंकि अगर मायावती देश के पहले दलित प्रधानमंत्री के विचार को समर्थन देती हैं। तो 2024 के लिए इंडिया अलायंस की कहानी को रफ्तार मिल सकती है। उत्तर प्रदेश वो राज्य है जहां 2014 और 2019 में बीजेपी ने बंपर सीटें जीती थीं। इसलिए अगर एक व्यक्ति, एक सीट और दलित वोट एकमुश्त में पड़ेंगे तो हिन्दी पट्टी से बीजेपी की जोरदार उम्मीदें धूमिल हो सकती हैं।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

विपक्ष विहीन रहा मोदी सरकार 2.0 का अंतिम सत्र...

"संसद का ये शीतकालीन सत्र कई मायनों में काफी यादगार रहा या यूं कहें कि ये मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का काफी विवादस्पद सत्र रहा तो भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि इस सत्र में 13 दिसंबर को संसद हमले की 21वीं बरसी पर एक बार फिर संसद की सुरक्षा में भारी चूक का मामला सामने आया।

संसद का शीतकालीन सत्र एक दिन पहले ही खत्म कर दिया गया। संभवतः ये मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम संसद सत्र था। इसीलिए अब संसद को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। संसद का ये शीतकालीन सत्र कई मायनों में काफी यादगार रहा या यूं कहें कि ये मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का काफी विवादस्पद सत्र रहा तो भी कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि इस सत्र में 13 दिसंबर को संसद हमले की 21वीं बरसी पर एक बार फिर संसद की सुरक्षा में भारी चूक का मामला सामने आया। जब में लोकसभा की कार्यवाही के दौरान दर्शक दीर्घा में बैठे दो युवक बीच कार्यवाही में कूद पड़े और उन्हें कैंडल स्मोक भी छोड़ा। हालांकि, शुक्र रहा कि इन उपद्रवियों के पास कोई बम या विस्फोटक हथियार नहीं था। इसी मामले को लेकर विपक्षी सांसदों ने संसद में चर्चा और गृह मंत्री अमित शाह के बयान की मांग की। लेकिन विपक्ष के ये मांग करने पर संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसदों को निलंबित किया जाने लगा।

लोकसभा और राज्यसभा दोनों ही सदनों से शीतकालीन सत्र के हर दिन बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया। आलम ये हुआ कि शीतकालीन सत्र जब संपन्न हुआ तब तक विपक्ष के 146 सांसद संसद से निलंबित किए जा चुके थे। ये देश के इतिहास में पहली बार था जब इतनी बड़ी संख्या में विपक्षी सांसदों को निलंबित किया गया हो। इसको लेकर विपक्षी सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया और विजय चौक से संसद भवन तक सेव डेमोक्रेसी के पोस्टर लेकर मार्च भी निकाला। इतना ही नहीं इस सत्र में विपक्ष को उपराष्ट्रपति के अपमान के आरोप का भी सामना करना पड़ा। जब निलंबित सांसद विरोध प्रदर्शन कर रहे थे तभी टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की मिमिक्री की यानी कि नकल उतारी, तो उपराष्ट्रपति इससे आहत हो गए। उन्होंने विपक्षी सांसदों को जमकर लताड़ लगाई। धनखड़ साहेब को आहत देख भाजपा उनके समर्थन में आ गई। फिर क्या सरकार का समर्थन पाकर धनखड़ साहेब ने इसे पूरे जाट समुदाय और किसानों का अपमान बता दिया। बदले में बाद में विपक्षी की ओर से खरगे साहेब ने संसद में बोलने का मौका न देने पर दलित समाज के अपमान की बात कह कर इसे जाट बनाम दलित बना दिया। फिर संसद का सत्र संपन्न हो गया। ये शीतकालीन सत्र इसलिए भी विवादों में रहा क्योंकि अधिकांश विपक्षी सांसदों को बाहर करके सरकार ने अकेले सत्ता पक्ष के सांसदों के साथ ही कई विधेयकों को भी पारित कर लिया। यानी मोदी सरकार ने विपक्ष विहीन संसद की एक नई प्रथा को भी जन्म दे दिया। फिलहाल तो संसद का ये शीतकालीन सत्र संपन्न हो गया है, लेकिन इसकी चर्चा कई सालों तक होती रहेगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दुनिया बचाने के आधे-अधूरे प्रयास

ज्ञानेन्द्र रावत

पिछले दिनों दुबई में लगभग दो सप्ताह चले दुनिया के तकरीबन 200 देशों के कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज-28 के आयोजन के पीछे भी यही आकांक्षा थी कि इसमें जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को रोकने और भविष्य में उससे मिलने वाली चुनौतियों से कैसे निपटा जाये। दरअसल, वर्ष 2015 के पेरिस समझौते का मुख्य मकसद ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को इस हद तक कम करना था ताकि वैश्विक तापमान में वृद्धि औद्योगिक काल से पूर्व के स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस से अधिक न होने पाये। हकीकत यह रही कि इस दिशा में जो भी प्रयास किये गये वे ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए। सबसे बड़ी बात इस हेतु जो संरचनात्मक ढांचे की जरूरत थी, वे निर्मित ही नहीं किये गये। दरअसल इनके बारे में सोचा ही नहीं गया। फिर जिस सामाजिक भागीदारी की बेहद जरूरत थी, उसकी तो कल्पना ही नहीं की गयी। जबकि वैश्विक स्तर पर ऐसी चुनौतियों से निपटना सामाजिक भागीदारी के बिना असंभव है। उम्मीद थी कि कॉप-28 में इस दिशा में मंथन होगा।

गौरतलब है कि दुबई में जलवायु सम्मेलन ऐसे समय हुआ जब दुनिया जलवायु परिवर्तन के खतरों का बुरी तरह से सामना कर रही है। जलवायु परिवर्तन से दुनिया को होने वाला नुकसान साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। इससे हर साल दुनिया को अरबों डालर की चपत लग रही है। हकीकत में दुनिया की जीडीपी को 1.8 फीसदी का नुकसान हो रहा है जो करीब 1.5 खरब डालर के बराबर है। वहीं भारत को करीब 8 फीसदी का नुकसान उठाना पड़ रहा है। वर्ष 2022 में भारत को करीब 30 अरब डालर का नुकसान उठाना पड़ा है। लगातार गर्म होती दुनिया के लिए बहुत बड़ा खतरा बन रहा है सूखा। भारत सहित दुनिया के 23 देश गंभीर सूखे की मार झेल रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने से पर्वतीय देशों के लिए खतरा बढ़ रहा है। उसे देखते हुए 2100 तक ग्लोबल वार्मिंग में तीन डिग्री की बढ़ोतरी होती है तो उस स्थिति में खाड़ी देश रहने काबिल नहीं रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से कोई अछूता नहीं है।

इसका प्रभाव गरीबों पर ही नहीं, इंसान के मस्तिष्क और हृदय पर भी घातक प्रभाव पड़ रहा है। यहां तक जानवर भी इसके दुष्प्रभाव से अछूते नहीं रहे हैं। इस सम्मेलन में पहली बार जलवायु परिवर्तन के संकट की

व्यापकता और इस बारे में तत्काल कार्रवाई की जरूरत महसूस की गयी। इस सत्य को स्वीकार भी किया गया कि संकट के समाधान हेतु हमें आपस में न केवल सहयोग करना होगा बल्कि साथ-साथ इसका मुकाबला करना होगा। बावजूद इसके कि संपन्न और वंचित देशों के बीच विभाजन की खाई पहले की तरह बरकरार बनी रही। जलवायु परिवर्तन की समस्या के मुकाबले के लिए सबसे बड़ी जरूरत पूंजी की है, कोष की है। यह मामला बरसों से विकसित देशों की इस बाबत आनाकानी के चलते उलझा हुआ है। सम्मेलन के अंतिम दिन जो सहमति बनी उसके अनुसार, सभी देश जीवाश्म ईंधन की जगह स्वच्छ ऊर्जा की ओर रुख करें। फिर भी वर्ष 2050 तक नेट जीरो तक पहुंचने, हरित ऊर्जा को साल 2030 तक तीन गुना तथा ऊर्जा दक्षता को दोगुना करने, ट्रांजिशन फ्यूल का जिक्र करने, देशों को अपने स्वैच्छिक जलवायु लक्ष्य 2024 तक पूरे करने और अमीर देशों द्वारा अपने जंगलों को कार्बन ऑफसेट के रूप में उपयोग करने के लिए गरीब देशों को भुगतान करने की बात सम्मेलन में हुई। यदि इसको सम्मेलन की सफलता बनाया जा रहा है तो इसे उपलब्धि तो नहीं माना जा सकता। सवाल यह है कि कार्बन कैप्चर तकनीक के जरिये नेट जीरो की राह बेहद खर्चीली है। इस तकनीक से 2050 तक नेट जीरो लक्ष्य हासिल करने के लिए दुनिया को 30 खरब डालर की राशि अधिक खर्च करनी पड़ेगी। विशेषज्ञों की नजर में इस तकनीक पर निर्भर रहना उचित नहीं है क्योंकि इससे सरकारें खुद को प्रतिस्पर्धी नुकसान की स्थिति में डाल लेंगी। सबसे बड़ी विफलता यह ही है कि सम्मेलन में गरीब और विकासशील देशों को जलवायु लक्ष्य हासिल करने के लिए धन की आवश्यकता कैसे पूरी होगी।

साथ ही ऐतिहासिक प्रदूषकों की जवाबदेही क्या और कैसे तय होगी, ग्लोबल साउथ के लिए जलवायु लचीलापन और कम कार्बन उत्सर्जन की दिशा में बदलाव के वित्त पोषण के लिए प्रभावी तंत्र कैसा बनेगा। इस पर और जीवाश्म ईंधन के उत्पादन और खपत की कटौती के मामले में कोई खुलासा न होना संदेह उत्पन्न करता है। फिर वित्त के मामले पर स्पष्टोक्ति का अभाव और मीथेन उत्सर्जन में कमी का लक्ष्य निर्धारण न होना और अनुकूलन प्रयासों में तेजी लाने के प्रयासों के लक्ष्य का घोषित न किया जाना, पेरिस समझौते के अक्षरशः पालन के सवाल पर चुप्पी सम्मेलन की सफलता के दावे पर सवालिया निशान लगाते हैं।

चुनावों के साथ दक्षिण एशिया में उभरती चुनौतियां

जी. पार्थसारथी

अब जबकि वर्ष 2023 खत्म होने को है, दक्षिण एशिया के तीन बड़े देश -भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान- 2024 में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों की तैयारी में मसरूफ हैं। भारत में हाल ही में, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली चुनावी विजय के साथ इस सत्ताधारी दल की लोकप्रियता और मजबूती देखने को मिली है। विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने देश के दक्षिणी राज्य तेलंगाना में सत्ता में वापसी की है। बांग्लादेश में अगले साल के जनवरी माह में तो पाकिस्तान में फरवरी में आम चुनाव होंगे। आगे चलकर श्रीलंका में भी राष्ट्रीय चुनाव होना है।

इसी दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मुइज्जू के प्रतीकात्मक अनुरोध को स्वीकार करते हुए वहां तैनात लगभग 75 भारतीय सैनिकों की वापसी स्वीकार कर ली है। हालांकि ठीक इसी समय मालदीव में भारतीय मदद से बनने वाली विकास योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए उच्च स्तरीय समझौता हुआ है। विगत में, भारत ने मालदीव की संप्रभुता कायम रखने हेतु वहां सैन्य बल भेजा था, जब 1988 में सशस्त्र गिरोह ने इस टापू की सत्ता हथिया ली थी। वर्तमान में पाकिस्तान गंभीर आर्थिक दिवालियापन से गुजर रहा है। चुनाव की तैयारियों के मध्य, तमाम व्यावहारिक प्रयोजनों से, पाकिस्तान में राज सेना का ही है। कहने को लोकतंत्र है, लेकिन पाकिस्तान के बेताज बादशाह नवनियुक्त सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर हैं। यह भी तथ्य है कि पाकिस्तान के अन्य महत्वाकांक्षी सेनाध्यक्षों की भांति जनरल मुनीर को भी अमेरिका का वरदहस्त प्राप्त है और उन्हें अमेरिका यात्रा का निमंत्रण मिला। पाकिस्तानी सेना के जनसूचना विभाग ने जनरल मुनीर की अमेरिकी रक्षा मंत्री, विदेश मंत्री के अलावा बाइडन प्रशासन की अन्य वरिष्ठतम शख्सियतों के साथ भेंट कार्यक्रम की तारीखें काफी जोर-शोर से प्रचारित की थीं। जनरल मुनीर को उनके पूर्ववर्ती सेनाध्यक्ष बाजवा ने विशेष रूप से चुनकर अपनी जगह बैठाया है। बता दें कि अमेरिका के कहने पर यूक्रेन तक सैन्य सामग्री पहुंचाने में बाजवा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इसी बीच अफगानिस्तान मामलों पर अमेरिकी विशेष प्रतिनिधि थॉमस वेस्ट पाकिस्तान पहुंचे और आतंकवाद से लड़ाई में पाकिस्तान के साथ अमेरिकी का पूर्ण सहयोग होने की घोषणा की है। जाहिर है बाइडेन प्रशासन की याददाश्त कमजोर है, लगता है वह दिन भूल गए, जब पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया करवा रखी थी। इसके अलावा वह भी भूल गया लगता है जब एक ओर अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज की निकासी हो रही थी तो दूसरी ओर तत्कालीन आईएसआई के इशारों पर तालिबान काबुल में सत्ता संभाल रहे थे। इमरान खान से चिढ़ रखने वाले जनरल मुनीर ने अमेरिका की यात्रा की है। लेकिन इन सबका पाकिस्तान का अपने सदाबहार दोस्त चीन के साथ रिश्तों पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। फिलहाल जनरल मुनीर का मुख्य ध्यान इमरान खान और उनके चेलों को अनेकानेक मामलों में फंसाने पर है। पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी की ब्यानबाजी उन्हें आगामी आम चुनाव में हिस्सा लेने से महरूम करवा सकती है।

बड़ी संख्या में अधिकारियों, सैनिकों और पूर्व-सैनिकों में इमरान खान को चुनाव लड़ने से वर्जित करने वाले प्रयासों को लेकर रोष है। सबसे अहम, लगता है इमरान खान को न्यायपालिका की प्रभावशाली सहायता प्राप्त है। तय कार्यक्रम के अनुसार 8 फरवरी, 2024 को पाकिस्तान में आम चुनाव करवाए जाएंगे। अब देखना यह है कि क्या इमरान खान को सर्वोच्च न्यायालय से राहत मिल पाएगी और चुनाव में भाग लेने की इजाजत मिलेगी। उधर, पाकिस्तानी सशस्त्र बलों को अब पश्तूनों से सीधी चुनौतियां दरपेश हैं, जो कि ड्यूरंड सीमा रेखा के दोनों ओर तालिबान के समर्थक हैं। भारत ने अफगानिस्तान में तालिबान से संवाद के सूत्र कायम रखकर काफी समझदारी की है। उम्मीद है आगे भी भारत अफगान लोगों को बेतरह जरूरी गेहूं की आपूर्ति जारी रखेगा। भारत से अफगानिस्तान को भेजी सामग्री बरास्ता पाकिस्तान की बजाय अब ईरान के चाबहार बंदरगाह से होकर पहुंच सकेगी। ऐसे में जब खुद मोदी सरकार आगामी आम चुनाव के लिए कमर कस रही है, बांग्लादेश में शेख हसीना की आवामी लीग सरकार को दरपेश सख्त मुकाबले से भारत के लिए नई चुनौतियां बन सकती हैं। बांग्लादेश में आवामी लीग के प्रति वर्तमान और पिछली अमेरिकी सरकारों का पूर्वाग्रह जारी रहने से, भारत की पूरबी सीमाओं पर मुश्किलें जटिल बनी हैं।

शेख हसीना की आवामी लीग के प्रति अमेरिकी पूर्वाग्रह बांग्लादेश के स्वतंत्रता आंदोलन के वक्त से कायम है। अमेरिका का यह रवैया इस तथ्य के मद्देनजर हैरानी जनक है कि बांग्लादेश का चीन के साथ संबंध नपी-तुली मित्रता वाला है, जो कि चीन-पाकिस्तान के बीच परमाणु और सैन्य संबंधों से काफी अलग है, और अमेरिका को जिसकी न तो परवाह है न ही दिखाई देता है। आवामी लीग के प्रति अमेरिका की खुन्नस शेख मुजीब-उर-रहमान के वक्त से है, जो उनकी पुत्री शेख हसीना के साथ भी कायम है। भारत में भी, गहन संशय है कि बांग्लादेश के राष्ट्रपिता शेख मुजीब-उर-रहमान की हत्या के पीछे विदेशी हाथ है। भारत और बांग्लादेश, दोनों की म्यांमार से थलीय सीमाएं साझा हैं। सीमापारीय आतंकवाद से निबटने में जहां भारत के म्यांमार के साथ निकट संबंध हैं वहीं रोहिंग्या शरणार्थियों के मसले के कारण बांग्लादेश और म्यांमार के बीच तल्खी है।

हफ्ते में एक पूरा दिन बच्चे को दें

हफ्ते या दस दिन में एक पूरा दिन बच्चे को समर्पित करें। उनके पसंद का खाना बनाएं, उन्हें मिलकर कहीं घुमाने ले कर जाएं, उनके साथ कोई अच्छी मूवी देखें या फिर बच्चे के पसंद का कोई भी काम जैसे पेंटिंग, डांसिंग, क्राफ्ट वर्क आदि साथ में बैठ कर करें। इससे बच्चा आत्मिक रूप से आपसे जुड़ेगा। अपनी पसंद-नापसंद और अपनी सभी बातें आपसे शेयर करेगा। इससे हफ्ते भर में अगर उसे किसी दिन नेगलेक्ट महसूस हुआ भी होगा तो उस दिन की भरपाई इस प्रकार से हो जाएगी।

बच्चों को जिम्मेदारी का कराएं एहसास

छोटे बच्चे मासूम होते हैं और उनके नन्हें कंधे भारी जिम्मेदारियां निभाने के लिए जल्दी तैयार नहीं होते हैं। लेकिन बचपन से ही जब हम बच्चों को उदाहरण देकर जिम्मेदारी लेना सिखाएंगे तो वे बड़े होने तक निर्भीक और आत्मविश्वास भरा जीवन जीने में सक्षम होंगे। कुछ बच्चे जिद कर के अपने पेरेंट्स की बात नहीं सुनते हैं और हर काम में लापरवाही बरतते हैं। बच्चे को इस उम्मीद और विचार से बड़ा करें कि हम जो गंदगी फैलाते हैं, उसे खुद ही साफ करना पड़ता है। बच्चे को जिम्मेदारी सिखाने की ये सबसे पहली सीढ़ी हो सकती है। बच्चे को अपने काम खुद करने की आदत डालें। शुरुआत करें ब्रश करवाने से। इसी तरह धीरे-धीरे उन्हें अपने कपड़े फोल्ड करने को बोलें, उसे अपने कपबर्ड में रखना सिखाएं। ऐसी छोटी आदतों से ही वे बड़े-बड़े काम भी उम्र के साथ सीखते जाएंगे और जिम्मेदारी से अपने सभी काम करने लगेंगे। बच्चों की तारीफ करें। जब भी वे एक छोटा-सा भी काम खुद से बिना बोले करें तो उनकी तारीफ करें। ये सोचना गलत है कि तारीफ करने से बच्चे बिगड़ जाते हैं। बल्कि तारीफ करने से बच्चे और भी जिम्मेदारी उठाने के लिए प्रेरित होते हैं और साथ ही उनमें और भी काबिल बनने की इच्छा उत्पन्न होती है। एक साथ कई काम न दें।

सुबह जल्दी उठें

माता-पिता और बच्चे सभी सुबह जल्दी उठें। सुबह जल्दी उठने से आप पाएंगे कि आपको एक दिन में अपने लिए काफी समय मिल जाता है। इस समय को आप अपने बच्चे के साथ शेयर करने के लिए चुनें। बच्चे को स्कूल जाने के टाइम से पहले उठाएं। इससे बच्चे की आदत और उनका स्वास्थ्य दोनों में ही सुधार आएगा। बच्चे के साथ बैठ कर योग करें, उन्हें सूर्योदय और आकाश दिखाएं, प्रकृति से जोड़ें। इससे बच्चे में प्रकृति से भी जुड़ने के संस्कार आते हैं और वह स्वस्थ भी होते हैं। साथ ही वह आपके साथ अधिक समय भी व्यतीत कर पाते हैं, क्योंकि इसके बाद आप ऑफिस और बच्चा स्कूल के लिए निकल लेगा। इस लिए इस समय का भरपूर इस्तेमाल करें।

वर्किंग पेरेंट्स बच्चों की इस तरह करें परवरिश

आज के दौर में बच्चों की परवरिश का तरीका काफी बदल चुका है। बदलते परिवेश की वजह से बच्चों की परवरिश मौजूदा समय में काफी मुश्किल हो गई है। बढ़ती महंगाई और बदलती लाइफस्टाइल की वजह से आजकल माता-पिता दोनों की कामकाजी हो चुके हैं। ऐसे में इन दिनों काम के बढ़ते प्रेशर की वजह से लोग अक्सर अपने परिवार और बच्चों को टाइम नहीं दे पाते हैं। अक्सर वर्किंग पेरेंट होने की वजह से अभिभावक बच्चों पर सही तरीके से ध्यान नहीं दे पाते हैं। ऐसे में बच्चे अपने पेरेंट्स से दूर होने लगते हैं और इसकी वजह से वह कई बार गलत रास्तों पर चले जाते हैं। तो एक वर्किंग पेरेंट को अपने बच्चों को सही परवरिश के लिए ये तरीके जरूर अपनाने चाहिए।

दिनभर में आधा घंटा बच्चे की सुनें

बच्चे सवालों का पिटारा होते हैं। उनके मन में लाखों सवाल प्रतिदिन आते हैं और दिन भर की सभी बातें शेयर करने के लिए भी उन्हें किसी की जरूरत होती है। अक्सर वर्किंग माता-पिता यह बोल कर बच्चे को चुप करा देते हैं कि अभी नहीं बोलो बेटा, बाद में बताना, अभी मैं बिजी हूं। जायज है कि आप वास्तव में व्यस्त हो सकते हैं, लेकिन ऐसे में एक रूटीन ऐसी बनाएं, जिसमें अपने बच्चे के सभी जिज्ञासु सवाल और उसकी दिनभर की बातें आप ध्यान से सुनें, अपना फोन या टीवी किनारे कर के। बच्चे की आंखों में आंखें डाल कर उचित प्रतिक्रिया देते हुए बात करें। बच्चा आप से जुड़ा हुआ महसूस करेगा और अपनी बात शेयर करने के लिए आपके अलावा किसी और के पास कभी नहीं जाएगा।

हंसना मना है

एक बार किसी ने पूछा की ये शादी कब होती है? जवाब- जब आपका समय अनुकूल ना हो, राहु केतु और शनि की दशा खराब हो, आपका मंगल कमजोर हो, और भगवान ने भी आपकी मजे लेने की ठान ली हो। उस समय शादी हो जाती है!

पति- काश! मैं गणपति होता, तुम रोज मेरी पूजा करती, मुझे लड्डू खिलाती, बड़ा मजा आता.. पत्नी- हां, काश तुम गणपति होते, मैं रोज लड्डू खिलाती, और हर साल विसर्जन करके नए गणपति घर लाती, बड़ा मजा आता..!

हम तो ऐसे ही उदासी में बैठे-बैठे, पानी में पत्थर मार रहे थे, अचानक से एक मेंढक निकला और बोला, पानी में तो आ, तेरी उदासी उतारू.. तेरी वाली के चक्कर में तूने, मेरी वाली का सर फोड़ दिया।

संता- डॉक्टर साहब, प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्चा आएगा? डॉक्टर-50 हजार संता- अगर प्लास्टिक मैं लेकर दूं तो? डॉक्टर- तो पिघला कर चिपका भी लेना।

एक सफल आदमी वो है जो अपनी बीवी के खर्च से ज्यादा कमा सके..एक सफल औरत वो होती है जो ऐसा आदमी खोज सके।

कहानी | दूध न पीने वाली बिल्ली

एक बार विजयनगर में चूहों ने बहुत तबाही मचाई, जिससे पूरी प्रजा परेशान थी, क्योंकि चूहे आए दिन किसी के कपड़े कुतर जाते, तो किसी की फसल और अनाज को नुकसान पहुंचाते। इससे परेशान होकर एक दिन पूरी प्रजा राजा कृष्णदेव राय के दरबार में पहुंची और उनकी समस्या दूर करने की प्रार्थना की। राजा से कहा, महाराज, हमें चूहों के आतंक से मुक्ति दिलाइए। मुखिया की बात सुनकर राजा ने आदेश दिया कि हर घर में एक बिल्ली पाली जाए और उसकी देखभाल की जाए। बिल्लियों की देखभाल के लिए उन्होंने हर घर में एक-एक गाय भी दे दी। महाराज ने तेनालीराम को भी एक बिल्ली और एक गाय दी। बिल्लियों के आने से चूहे कुछ ही दिनों में भाग गए और गायों का दूध पीकर बिल्लियां भी मोटी हो गईं। अब प्रजा के सामने बस एक ही समस्या थी कि समय से बिल्लियों को दूध दिया जाए और गायों का पालन किया जाए। वहीं, बिल्लियां दूध पी-पीकर इतनी मोटी हो गईं कि चलती-फिरती तक नहीं थीं। तेनालीराम की बिल्ली भी मोटी और सुस्त हो गई थी। वह अपनी जगह से हिलती भी नहीं थी। एक दिन बिल्ली के आलसीपन से परेशान होकर तेनालीराम को योजना सूझी। उसने रोज की तरह बिल्ली के सामने दूध से भरा कटोरा रख दिया, लेकन इस बार दूध बहुत गरम था। उसे मुंह लगाते ही बिल्ली का मुंह जल गया और उसने दूध नहीं पिया। इस प्रकार कई दिन निकल गए, जिससे बिल्ली दुबली हो गई और भागने भी लगी। इसी बीच राजा ने सभा में बिल्लियों का निरीक्षण करने किया और बिल्लियां दरबार में लाने का आदेश दिया। सभी की बिल्लियां बहुत मोटी हो गई थीं, लेकिन तेनालीराम की बिल्ली बहुत दुबली थी। राजा ने इसका कारण पूछा, तो उसने कहा कि मेरी बिल्ली ने दूध पीना छोड़ दिया है। राजा ने इस बात को नहीं माना और उसने एक कटोरा दूध बिल्ली के सामने रखा। दूध को देखते ही बिल्ली भाग खड़ी हुई। इस घटना को देख कर सभी दंग रह गए। राजा ने तेनालीराम से इसका राज जानना चाहा। तब तेनालीराम ने कहा, महाराज अगर सेवक ही आलसी हो जाए, तो उसका रहना मालिक पर बोझ बन जाता है। वैसे ही इन सभी बिल्लियों के साथ भी है। मैंने बिल्ली का आलस भगाने के लिए उसे गर्म दूध दिया जिससे उसका मुंह जल गया और वह खुद से ही अपना भोजन तलाशने लगी। इससे वह ठंडा दूध देखकर भी भाग जाती और अपना भोजन खुद ही तलाश करती। धीरे-धीरे यह चुस्त और तेज हो गई, ठीक ऐसे ही मालिक को अपने सेवक के साथ करना चाहिए और उसे आलसी नहीं बनने देना चाहिए। तेनालीराम की बात राजा को पसंद आई और उन्होंने तेनालीराम को एक हजार स्वर्ण मुद्राएं इनाम में दीं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज का दिन आपके अंदर भरपूर आत्मविश्वास रहेगा, जिसके कारण आप उन कार्यों को करेंगे, जिनसे आप अक्सर कतराते थे। आपके वह कार्य पूरे भी अवश्य होंगे।

वृषभ
आज माता-पिता की मदद मिलने से आपका कोई खास काम पूरा होगा। आज आपको अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए। आज उधार के लेन-देन से आपको बचना चाहिए।

मिथुन
आज का दिन आपके लिए कुछ उलझनों भरा रहेगा, जिन्हें दूर करने मे आज आप पूरा दिन व्यतीत कर देंगे। घर परिवार में आज कुछ समस्याएं उत्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
आज ऑफिस में आपकी ड्रेस की तारीफ होगी। कॉमर्स स्टूडेंट्स को अपने साथियों से सहयोग प्राप्त होगा। किसी विषय में आ रही समस्या आसानी से सॉल्व हो जायेगी।

सिंह
आज का दिन आपको अपने भाई बहनों से लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज आपको अपने भाई व बहनों की ओर से कोई सुखद समाचार सुनने को मिलेगा।

कन्या
आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे। इस राशि के नौकरीपेशा लोगों को साथ काम करने वालों से मदद मिलेगी। जिससे आपका काम जल्दी पूरा होगा।

तुला
आज का दिन रोजगार की दिशा में प्रयासरत लोगों के लिए उत्तम रहने वाला है। कुछ उत्तम अवसर प्राप्त होंगे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में चार चांद लग लगेंगे।

वृश्चिक
बच्चों के बेहतर करियर के लिए आज आप किसी से सलाह लेंगे। इस राशि के विद्यार्थियों को आज शिक्षक की तरफ से विशेष मार्गदर्शन मिलेगा।

धनु
आज ससुराल पक्ष से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। यदि पहले किसी को धन उधार दिया हुआ था, तो वह आज आपको वापस मिल सकता है।

मकर
आज आप किसी नए काम की प्लानिंग करेंगे। आज परिवार वालों के साथ आप खुशनुमा पल बितायेंगे। इससे रिश्तों में नजदीकियां बढ़ेंगी।

कुम्भ
आज पारिवारिक जीवन में बदलाव लाने के लिए किसी परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य से सलाह मशवरा कर सकते हैं। गृहस्थियों के लिए आज का दिन सामान्य रहेगा।

मीन
आज रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। जिससे आप जरुरत की वस्तुएं खरीदेंगे। व्यापार में साझेदारी से आपको लाभ होगा। आज सामाजिक कार्यों में आप आगे रहेंगे।

विजय सेतुपति के साथ रोमांस का तड़का लगाती दिखीं कटरीना कैफ

कटरीना कैफ और साउथ सुपरस्टार विजय सेतुपति के लीड रोल वाली फिल्म मैरी क्रिसमस को लेकर लंबे समय से चर्चा बनी हुई हैं। अब क्रिसमस की धूम के बीच मेकर्स ने अपनी इस मोस्ट अवेटेड फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है। श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी इस फिल्म के ट्रेलर में उनकी पिछली फिल्मों बदलापुर और अंधाधुन शैली की झलक देखने को मिल रही है। ऐसे में अभी से फिल्म के लिए उत्सुकता काफी बढ़ गई है।

मैरी क्रिसमस के ट्रेलर की शुरुआत में एक प्यारी सी लव स्टोरी की शुरुआत होती हुई दिख रही है। हालांकि, जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, इसमें धोखे और फरेब की झलक नजर आने लगती है। 2 मिनट 20 सेकंड के इस ट्रेलर में क्रिसमस से एक दिन पहले की शाम दिख रही है, जो कटरीना और विजय साथ में बिता रहे हैं। इसके बाद दोनों साथ में क्रिसमस की शुरुआत करते हैं और साथ में खूब मस्ती करते हैं। फिल्म में ऐसे सीन्स देखने को मिल रहे हैं जो दर्शकों को पुराने समय में ले जाएंगे। ट्रेलर में कटरीना और विजय सेतुपति के बीच रोमांटिक सीन्स देखने को मिल रहे हैं। दोनों की केमेस्ट्री कमाल की दिख रही है। ट्रेलर के एक सीन में कटरीना एक बच्ची के साथ थिएटर में बैठकर फिल्म देखती नजर आ रही है। इसमें अगले ही पल उन दोनों की आगे वाली सीट पर विजय की एंट्री होती है और फिर पलक झपकते ही कटरीना उस बच्ची के साथ कभी गायब हो जाती है। इस सीन ने काफी बेचैनी बढ़ा दी है।

मेरी क्रिसमस का जबरदस्त ट्रेलर हुआ रिलीज

12 जनवरी को होगी रिलीज

बता दें कि श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी मेरी क्रिसमस में कटरीना और विजय के अलावा टीनू राज आनंद, संजय कपूर, राधिका आप्टे, विनय पाठक, अश्विनी कलसेकर और प्रतीमा कानन जैसे सितारे भी अहम किरदारों में दिखाई दे रहे हैं। फिल्म की रिलीज डेट पहले ही 2 बार बदली जा चुकी है। अब आखिरकार लंबे इंतजार के बाद इसे 12 जनवरी, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा रहा है।

हिना खान के किलर लुक्स ने लगाया बोल्डनेस का तड़का

हिना खान ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखते ही घर-घर में एक खास पहचान हासिल कर ली थी। आज वह किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। हालांकि, पिछले कुछ समय से हिना अपने किसी भी प्रोजेक्ट से ज्यादा अपने स्टाइल, फैशन सेंस और लुक्स को लेकर चर्चा में रहती हैं। हर दिन एक्ट्रेस का एक नया लुक फैंस के बीच वायरल हो जाता है। अब एक बार फिर स हिना की गॉर्जियस अदाएं वायरल हो रही हैं।

हिना ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज शेयर की हैं। इसमें एक्ट्रेस येलो शॉर्ट कट आउट ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं। यहां उन्होंने मिनिमल न्यूड मेकअप से अपना लुक कंप्लीट किया है और बालों को ओपन रखा है। वहीं, उन्होंने सनग्लासेस भी कैरी किए हैं। एक्ट्रेस इस लुक में बहुत खूबसूरत, हॉट और अट्रैक्टिव दिख रही हैं। हिना ने अपने इस लुक को कैमरे के सामने फ्लॉन्ट करते हुए एक से एक किलर पोज दिए हैं। इन फोटोज में ऐसा लग रहा है कि हिना किसी रेस्टोरेंट में खड़े होकर अदाएं दिखा रही हैं। हालांकि, यहां उनके अलावा और कोई शख्स नहीं दिख रहा। अब फैंस के बीच उनका ये नया लुक भी काफी वायरल होने लगा है।

नए प्रोजेक्ट का नहीं किया ऐलान

वहीं, हिना के वर्कफ्रंट की बात करें तो काफी समय से वह अपनी अगली फिल्म कंट्री ऑफ ब्लाइंड को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिलहाल हिना ने अपने अगले प्रोजेक्ट का ऐलान नहीं किया है। फैंस उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्म सालार को ए सर्टिफिकेट मिलने पर निराश हुए प्रशांत नील

प्रशांत नील के निर्देशन में बनी बहुप्रतीक्षित फिल्म सालार पार्ट 1 को सेंसर बोर्ड की तरफ से ए सर्टिफिकेट दिया गया है, और इसके पीछे का कारण इसकी कहानी में कई खूनी युद्ध और हिंसक सीन बताया गया है। वहीं, फिल्म की रिलीज से पहले प्रशांत नील, प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन, एसएस राजामौली के साथ बातचीत के लिए बैठे। इसी दौरान प्रशांत ने फिल्म को एडल्ट सर्टिफिकेट मिलने पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी। निर्देशक प्रशांत नील और अभिनेता प्रभास समेत पृथ्वीराज सुकुमारन ने सालार पार्ट 1: सीजफायर की कहानी और उनके किरदारों से लेकर उनकी भूमिका तक हर चीज के बारे में खुलकर बात की। खानसर की काल्पनिक भूमि अराजक और हिंसा से भरी होने के बावजूद प्रशांत ने कहा कि इसके जरिए मुख्य रूप से दो बचपन के दोस्तों की कहानी बताने का विचार था। उन्होंने कहा, यह कहानी देवा और वर्धा के बारे में है, सालार मूल रूप से एक नाटक है। प्रशांत नील ने आगे जोड़ा, मैंने वर्षों से तेलुगु सिनेमा देखा है, और मेरी फिल्म में हिंसा उसकी तुलना में कम है। किसी फिल्म को इतना हिंसक बनाने का विचार कभी नहीं था कि उसे ए रेटिंग मिले। लेकिन दिशानिर्देश बदल गए हैं और सेंसर बोर्ड ने मुझसे कुछ कट लगाने के लिए कहा है। जब उन्होंने ऐसा कहा तो मैं चुप हो गया क्योंकि मैंने कोई अश्लील फिल्म नहीं बनाई थी। फिल्म में हिंसा जरूरी है। मैं निराश था, लेकिन प्रभास ने मुझसे कहा कि यह ठीक है। फिल्म की प्रचार सामग्री जारी होने के बाद से, कई लोगों को आश्चर्य हुआ कि क्या प्रशांत ने सालार के लिए केजीएफ के समान रंग पैलेट चुना क्योंकि फिल्में जुड़ी होंगी। हालांकि, उत्तर एक जोरदार नहीं है। प्रशांत नील ने कहा, सालार का केजीएफ से कोई लेना-देना नहीं है। वास्तव में, उन्हें एक जैसा दिखाना कोई सचेत विकल्प भी नहीं था। उन्होंने जोड़ा, मैं सिर्फ यह दिखाना चाहता था कि जिस दुनिया में वे रहते हैं वह कितनी अंधेरी और किरकिरी है। मुझे बाद में ही एहसास हुआ कि मैं मोनोक्रोम को लेकर कितना जुनूनी हूं।

कंप्यूटर कीबोर्ड पर ये 2 लाइनें क्यों होती हैं? 90% लोगों को नहीं होगी जानकारी

कंप्यूटर हमारे काम को रोजाना आसान बना रहा है। चाहें दफ्तर का काम करना हो या फिर स्कूल-कॉलेज का प्रोजेक्ट वर्क। हर समय यह उतना ही प्रासंगिक है। इस पर पलभर में कई काम हो जाते हैं, जो पहले काफी वक्त लिया करते थे। यही वजह है कि कंप्यूटर का उपयोग दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है। छोटी दुकानों से लेकर शॉपिंग मॉल तक, हर कोई आजकल कंप्यूटर का इस्तेमाल कर रहा है। क्योंकि इसने जिंदगी को आसान बना दिया है। लोग इस्तेमाल तो करते हैं मगर कई बारीकियों से परिचित नहीं हैं। कंप्यूटर का कीबोर्ड आपने भी देखा होगा। इसमें हर शब्द की अलग-अलग जरूरत और इस्तेमाल है। बहुत सारे लोगों को हर शब्द की जरूरत नहीं होती। इसलिए कई शब्दों पर ध्यान नहीं जाता। आज हम आपको ऐसी ही 2 शब्दों के बारे में बताने जा रहे हैं। अगर आप F और J बटन को ध्यान से देखें तो उसमें नीचे लाइन खिंची हुई है। ज्यादातर लोगों का इस पर ध्यान नहीं जाता। लेकिन अगर आपका गया हो तो कभी सोचा कि इनकी जरूरत क्या है। केवल इन बटन पर ही ये लाइनें क्यों खींची गई हैं, अन्य पर नहीं। कीबोर्ड की मध्य पंक्ति को होम पंक्ति कहा जाता है। अगर आप अपने बाएं और दाएं हाथ को F और J कुंजियों पर रखें तो पाएंगे कि आप अन्य बटन तक आसानी से पहुंच रहे हैं। यहां हाथ रखने पर कीबोर्ड में ऊपर-नीचे, दाएं-बाएं कवर करना आसान रहता है। आपकी उंगलियां आसानी से A, S, D और F को कवर कर लेती हैं, जबकि दाहिने हाथ की उंगलियां J, K, L और (;) को। दोनों अंगूठे स्पेस बार पर पहुंच जाते हैं। ये लकीरें हमें नीचे देखे बिना सही बटन का पता लगाने में मदद करती हैं। आप कीबोर्ड पर बिना देखे टाइप करते हैं तो इन लाइनों को छूकर पता लगा पाएंगे कि कौन सा बटन कहां है। इससे टाइपिंग स्पीड बढ़ती है। खासकर दृष्टिहीन लोगों को इससे काफी लाभ मिलता है। इंटरेस्टिंग फैक्ट्स एंड इंफॉर्मेशन पोर्टल की 2016 रिपोर्ट के अनुसार, इन लाइनों का अविष्कार जून ई बॉटिच ने वर्ष 2002 में किया था। उनका मकसद टाइपिंग करना आसान बनाना था।

अजब-गजब | प्राचीन इंजीनियरिंग का कमाल है ये मंदिर

इस मंदिर की तैरती हैं ईंटें, खंभे से निकलता है संगीत

भारत में एक से बढ़कर एक कई अद्भुत मंदिर हैं। उनमें से एक काकतीय रुद्रेश्वर मंदिर है, जिसे रामप्पा मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इसका निर्माण 1213 ईस्वी में किया गया था। ये मंदिर तेलंगाना के मुलुगु जिले के पालमपेट गांव में स्थित है और भगवान शिव को समर्पित है। इसको 13वीं सदी की इंजीनियरिंग का चमत्कार माना जाता है, जो यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल की लिस्ट में भी शामिल है। मंदिर में कई चमत्कारिक खूबियां है, जिनके बारे में जान कर आप हैरान रह जाएंगे!

मंदिर को पूरा बनने में लगे 40 साल: प्रसिद्ध मूर्तिकार रामप्पा इस मंदिर के मुख्य वास्तुकार थे। उनको इसका निर्माण पूरा करने में 40 साल (1173 से 1213 ई.) लगे। उनके नाम पर ही इस मंदिर का नाम रामप्पा रखा गया है। मंदिर के निर्माण में बलुआ पत्थर, ग्रेनाइट, डोलराइट और चूने का इस्तेमाल किया गया था। यह मंदिर अपनी जटिल नक्काशी के लिए फेमस है, जिसे आप इसकी मूर्तियों, दीवारों, स्तंभों और छतों तक पर देख सकते हैं।

मंदिर की 7 चमत्कारिक खूबियां

1. **तैरती ईंटें:** मंदिर का शिखर या गोपुरम को बहुत ही खास ईंटों से बनाया है, जो इतनी हल्की हैं कि पानी पर भी तैर सकती हैं, जिनका वजन 0.85 से 0.9 ग्राम/सीसी है, जो पानी के घनत्व

(1 ग्राम/सीसी) से भी कम है। ये ईंटें बबूल की लकड़ी, भूसी और हरड़ (एक फल) के मिट्टी को मिलाकर बनाई गई, जो उनको स्पंज की तरह बनाते हैं, जिस कारण ये ईंटें पानी पर तैरती हैं।

2. **संगीतमय खंभे:** मंदिर के स्तंभ बड़े ही खास हैं। एक स्तंभ पर भगवान कृष्ण की मूर्ति है। उन्हें एक पेड़ पर बैठे हुए बांसुरी बजाते हुए देखा जा सकता है, जो गोपिका वस्त्रापहरण की पौराणिक कहानी को दर्शाता है। भगवान की मूर्ति पर टैप करके सप्तस्वर (सा, रे ग, म, प, ध और नि) सुना जा सकता है।

3. **ऑप्टिकल इल्यूजन:** मंदिर में एक नक्काशी ऐसी है, जहां बीच में तीन नर्तकियां हैं, लेकिन पैर केवल चार हैं। यदि आप बीच वाली नर्तकी के शरीर को बंद करते हैं, तो आप दो लड़कियों को नृत्य करते हुए देख सकते हैं, लेकिन जब आप लड़कियों के शरीर को दोनों तरफ से बंद करते हैं, तो बीच के पैर बीच में नर्तक के पैर बन जाते हैं।

4- **गर्भगृह में पहुंचा प्रकाश:** मंदिर में पीठासीन देवता भगवान शिव हैं। दिन के उजाले को गर्भगृह में चार ग्रेनाइट स्तंभों द्वारा प्रतिबिंबित किया जाता है, जिसे आंतरिक गर्भगृह की ओर मोड़ दिया जाता है, जिससे यह पूरे दिन रोशन रहता है।

5- **हार की छाया:** मंदिर के स्तंभों के ऊपर नृत्य करती मंदाकिनी की 12 काले पत्थर की मूर्तियां हैं। प्रत्येक आकृति की एक अलग विशेषता है। काम इतना जटिल है कि एक मंदाकिनी पर उसके द्वारा पहने गए हार की छाया है, जो नेग्रल दिखती है, लेकिन वास्तव में नक्काशीदार है। हम उसके शरीर पर छाया देख सकते हैं।

6- **13 सूइयों के छेद:** एक खंभे पर बारीक नक्काशी है, जिसका आकार चूड़ी जैसा है। इसमें 13 छेद हैं, मूर्ति के छिद्रों से केवल एक छोटा सा धागा या सुई ही गुजर सकती है। यह स्पष्ट नहीं है कि 13वीं शताब्दी में इसे तराशने के लिए विशिष्ट उपकरण कैसे थे।

7- **भूकंप प्रतिरोधी:** यह मंदिर अपनी भूकंप प्रतिरोधी वास्तुकला के लिए भी जाना जाता है: मंदिर के निर्माण में सैंड बॉक्स तकनीक इस्तेमाल की गई है, जिसके कारण यह भूकंप की तरंगों को चमत्कारिक रूप से अवशोषित कर सकता है।

इंडिया गठबंधन को फिर सहेजेंगे राहुल गांधी

» नीतीश कुमार से की बात सारे मुद्दों पर की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन में मचे उठापटक के बाद कांग्रेस ने फिर एकबार मतभेदों को दूर करने का प्रयास शुरू कर दिया। इसी के तहत कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बात की। इन दोनों नेताओं के बीच क्या बातचीत हुई है। ये जानकारी अभी बाहर नहीं आई है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी और नीतीश कुमार ने हाल ही में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक को लेकर बात की। जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पीएम उम्मीदवार के रूप में प्रस्तावित किया गया था। इस बैठक के बाद से ही नीतीश कुमार नाराज बताए जा रहे हैं।

दरअसल विपक्षी गठबंधन की 19 दिसंबर को हुई बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने खरगे को विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की पैरवी की थी। हालांकि, खरगे ने कहा था कि चुनाव जीतने के बाद ही प्रधानमंत्री पद के चेहरे के बारे में फैसला किया जाएगा। चर्चा है कि नीतीश कुमार का इंडिया गठबंधन के नेताओं के साथ कई मुद्दों पर टकराव हुआ है, जिसमें से गठबंधन का नाम बदलकर भारत करना भी शामिल था। लेकिन इस प्रस्ताव को सोनिया गांधी ने खारिज कर दिया था . इसके अलावा हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के निराशाजनक प्रदर्शन से भी नीतीश कुमार खुश नहीं हैं। इस हार के चलते कांग्रेस का सहयोगी दलों के साथ सीट-बंटवारे को लेकर भी विवाद चल रहा है। हालांकि इंडिया गठबंधन के घटक दलों के साथ सीट बंटवारे के सवाल पर कांग्रेस नेता के सी वेणुगोपाल ने कहा था कि पार्टी की राष्ट्रीय गठबंधन समिति कांग्रेस की क्षेत्रीय इकाइयों की राय ले रही है और फिर सहयोगी दलों के साथ बातचीत करेगी।

हाईकोर्ट का राहुल को पोस्ट हटाने का निर्देश

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से 2021 में दुष्कर्म और हत्या की शिकार नाबालिग दलित लड़की की पहचान का खुलासा किए जाने वाले पोस्ट को हटाने को कहा है। अदालत सामाजिक कार्यकर्ता मकरंद सुरेश म्हादलेकर की 2021 की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। ओल्ड नंगल गांव में एक श्मशान के पुजारी द्वारा उसके साथ दुष्कर्म कर हत्या करने से संबंधित पोस्ट है। पोस्ट के बाद राहुल के अकाउंट को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया था, लेकिन बाद में इसे बहाल कर दिया गया। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मनमोहन की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि पोस्ट को सोशल मीडिया से हटा दिया गया था, लेकिन यह भारत के बाहर उपलब्ध रहा। अगर हमें पीड़िता की पहचान की रक्षा करनी है तो जरूरी है कि यह पूरी दुनिया में किया जाए। पीठ ने राहुल के वकील तरन्नुम चीमा से कहा, आप इसे हटा क्यों नहीं लेते? कृपया अपना पोस्ट हटा लें, अन्यथा इसे पूरी दुनिया में प्रेस उठा सकती है।

संक्षिप्त खबरें

बृजभूषण के करीबी संजय सिंह बने कुश्ती संघ के नए अध्यक्ष, साक्षी ने लिया संन्यास

नयी दिल्ली। निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के कई बार लंबित हुए चुनावों में यहां अध्यक्ष पद पर आसान जीत दर्ज करने में सफल रहे। उनके पैनल ने 15 में से 13 पद पर जीत दर्ज की। चुनावों के नतीजों ने प्रदर्शनकारी पहलवानों को काफी निराश किया और ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने खेल से संन्यास लेने का फैसला किया। उत्तर प्रदेश कुश्ती संघ के उपाध्यक्ष संजय को 40 जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी और राष्ट्रमंडल खेलों की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता अनिता श्योराण को सिर्फ सात मत मिले। आरएसएस से जुड़े संजय वाराणसी के रहने वाले हैं और बृजभूषण के बहुत करीबी सहयोगी हैं। निवर्तमान प्रमुख की खेल में जबरदस्त रुचि को देखते हुए यह उम्मीद है कि संजय नीतिगत निर्णयों में उनसे सलाह लेंगे। संजय ने चुनावों में जीत दर्ज करने के बाद संवाददाताओं से कहा, ''यह देश के हजारों पहलवानों की जीत है जिन्हें पिछले सात से आठ महीनों में नुकसान उठाना पड़ा है।'रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड के पूर्व सचिव लोचब ने 27-19 से जीत दर्ज की।

यूपी में बढ़ी गलन, आज हल्की बारिश के आसार

लखनऊ। राजधानी में शुक्रवार को भी सुबह कोहरा छाया रहा, इसके बाद बादलों ने डेरा डाल लिया। धूप निकली पर तेजी की कमी, बीच-बीच चलती हवाएं गलन को बढ़ातीं रहीं। इससे पहले वृहस्पतिवार को शाम ढलने के बाद धीरे-धीरे कोहरा बढ़ा, हालांकि यह घना कोहरा नहीं था, लेकिन लोगों को लगा कि इस सीजन में पहली बार रात में कोहरा छाया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, दिन के तापमान में क्रमिक गिरावट जारी रहेगी, हालांकि न्यूनतम पारे में कुछ बढ़ोतरी होगी। कोहरे और खराब मौसम से लखनऊ आने वाली 13 फ्लाइटें प्रभावित रहीं। आज हल्की बारिश की संभावना जताई जा रही है।

लखनऊ में कोविड का पहला केस मिला महिला क्वारंटीन

लखनऊ। लखनऊ में आलमबाग इलाके में एक महिला में कोरोना वॉयरस जांच में मिला है। वह होम आईसोलेशन में हैं। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने नमूना जिनोम सीक्वेंसिंग के लिए केजीएमयू भेजा गया है। अफसरों का कहना है महिला में हल्के लक्षण हैं। उसकी सेहत की निगरानी की जा रही है। कोरोना के नए वैरिएंट जेएन 1 को लेकर देशभर में अलर्ट है। चंदरनगर निवासी महिला को पिछले हफ्ते सर्दी-जुकाम व बुखार के लक्षण हुए। नजदीकी डॉक्टर से दवा ली मगर फायदा न हुआ। शक होने पर डॉक्टर ने कोरोना की जांच कराई। महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. निशांत निर्वाण का कहना है कि महिला पूरी तरह से स्वस्थ है। उसमें कोरोना जैसे गंभीर लक्षण नहीं है। टीम जरिए कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग की जा रही हैं।

पांच जवानों के बलिदान के बाद सक्रिय हुई सेना

सुरक्षा में बड़ी चूक आतंकियों की धड़पकड़ तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट ने एक बार फिर पुंछ जिले में बड़ा हमला कर सेना को भारी नुकसान पहुंचाया है। यह वही आतंकी हैं, जिसने इसी साल 20 अप्रैल को भिंबर गली में सैन्य काफिले पर हमला किया था। इसमें सेना के पांच जवानों का बलिदान हुआ था। राजोरी-थन्ना मंडी-सुरनकोट रोड पर जिस सावनी इलाके में हमला हुआ, यह भिंबर इलाके से जंगल के रास्ते से 12 किलोमीटर दूर है।

दहशतगर्द कई महीनों से इस इलाके की रेकी कर रहे थे और चप्पे-चप्पे के वाकिफ थे। इस इलाके से सेना के वाहन गुजरते हैं, इसी का फायदा उठाकर आतंकियों ने वीरवार को हमला कर दिया। सूत्रों के अनुसार, जिन सैन्य जवानों के ऊपर घात लगाकर हमला किया गया, ये वही आतंकी हैं, जिन्होंने इसी साल 20 अप्रैल को भिंबर गली में सेना के काफिले पर हमला किया था। सूत्रों के अनुसार, आतंकियों ने वारदात का एक वीडियो भी बनाया है। हालांकि इसे अभी तक जारी नहीं किया गया है।

इन दोनों हमलों के इलाकों का आपस में अंतर 12 किलोमीटर का है। आतंकी इसी इलाके में अक्सर आते-जाते रहे हैं। सबसे अहम बात यह है की भिबंर गली में हमला करने वाले आतंकी अब तक जिंदा थे, सुरक्षा एजेंसी के पास इसकी पुख्ता जानकारी थी। खुफिया एजेंसियों ने इसके बारे में केंद्रीय गृह मंत्रालय को सूचित भी किया था। यह बताया गया था कि नववर्ष के आसपास आतंकी फिर से बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं। तमाम इनपुट होने के बावजूद हमला हुआ, जो सुरक्षा में एक बड़ी चूक माना जा रहा है।

गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों 2024 गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। यह छठी बार है जब किसी फ्रांसीसी नेता को बतौर अतिथि आमंत्रित किया गया है।

मैक्रों से पहले पूर्व फ्रांसीसी प्रधानमंत्री जैक्स शिराक 1976 और 1998 में भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि थे और पूर्व राष्ट्रपति वालेरी गिस्कार्ड डी-एस्टिंग निकोलस सरकोजी और फ्रेंकोइस ओलांद क्रमश: 1980 2008 और 2016 में मुख्य अतिथि थे। इससे पहले फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने 14 जुलाई को पेरिस में आयोजित बेस्टाइल डे परेड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेस्टाइल डे परेड में सम्मानित अतिथि बनने वाले भारत के दूसरे प्रधानमंत्री बने। इससे पहले 2009 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह परेड में अतिथि के रूप में शामिल हुए थे।

भारत ने दक्षिण अफ्रीका से सीरीज जीती

» तीसरे वनडे में टीम इंडिया की 78 रनों से जीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केएल राहुल के नेतृत्व वाली भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को पार्ल के बोलैंड पार्क में खेले गए निर्णायक वनडे में 78 रनों से धूल चटाई। इस जीत के साथ ही भारत ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। केएल राहुल ने बतौर कप्तान ये मैच जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। पहले मैच में भारत ने 8 विकेट से जीत दर्ज की थी। दूसरे मैच में साउथ अफ्रीका ने शानदार वापसी करते हुए 8 विकेट से जीत हासिल की थी।

तीसरे वनडे में भारत ने जीत हासिल कर ली और केएल राहुल भारत के दूसरे कप्तान बन गए, जिन्होंने साउथ अफ्रीका को उसी के घर में वनडे सीरीज में मात दी। इससे पहले विराट कोहली की कप्तानी में 2018 में भारत ने साउथ अफ्रीका को उसी के घर में वनडे सीरीज में धूल चटाई थी।

दरअसल, केएल राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम ने 2021-22 में साउथ अफ्रीका की धरती पर वनडे सीरीज खेली थी, जिसमें भारत को 3-0 से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। 2021 में मिली हार के बाद आज केएल राहुल ने उसका हिसाब चुकता कर लिया है।

सैमसन ने इंटरनेशनल करियर का पहला शतक जमाया

तीसरे वनडे मैच में साउथ अफ्रीका की टीम के कप्तान एडन मार्करम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बैटिंग करते हुए भारत ने 5 ओवर के खेल में 8 विकेट के नुकसान पर 296 रन का स्कोर खड़ा किया था, जिसमें संजू सैमसन का बल्ला जमकर गरजा था। संजू सैमसन ने इंटरनेशनल करियर का पहला शतक जमाया। वहीं, तिलक वर्मा ने अपने वनडे करियर की पहली हाफ सेंचुरी लगाई। रिंकू सिंह के बल्ले से 38 रन निकले।

इसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 45.5 ओवर में 218 रन पर ढेर हो गई। टीम की तरफ से टोनी डी जॉर्जी ने 81 रन की तूफानी पारी खेली। उनके अलावा कप्तान एडन मार्करम के बल्ले से 31 रन निकले। अर्शदीप सिंह ने निर्णायक मैच में गेंद से कहर बरपाते हुए 4 विकेट झटके, आवेश-सुंदर को 2-2 सफलता मिली। मुकेश और अक्षर के नाम 1-1 विकेट रहा। इस तरह भारत ने तीसरा वनडे मैच 78 रन से जीत लिया।

भाजपा सांसद संजय सेठ का अवैध कब्जा नहीं दिखता पर गरीबों के घरों पर चला योगी सरकार का बुलडोजर!

» अकबरनगर में लखनऊ हाईकोर्ट ने ध्वस्तीकरण पर लगाई रोक

मो. शारिक/4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिखरा सामान, बिलखते मासूम, बदहवास बुजुर्ग, सिसकती औरतें कुछ ऐसा ही नजारा दिखा अकबर नगर में। दरअसल, आजकल राजधानी लखनऊ में कुकरैल सौंदर्यीकरण के चलते निमार्ण कार्य चल रहा है जिसकी वजह से जो लोग वहां काबिज हैं उन्हें वहां से हटाकर अन्य जगहों पर विस्थापित किया जा रहा है। हालांकि लोग प्रशासन की इस कार्यवाही का विरोध कर रहे हैं। वहीं इस कारवाई पर आरोप-प्रत्यारोप भी शुरू हो गए हैं। इस तरह की कार्रवाई पर योगी सरकार के काम करने के तरीके पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं। जहां राजधानी में बड़े-बड़े रसूखदारों ने अवैध कब्जा कर अतिक्रम किया है उनपर कोई बुलडोजर नहीं चलता है। जैसे भाजपा के राज्य सभा सांसद संजय सेठ के शालीमार बिल्डर्स ने कई जगहों पर अवैध निमार्ण कर रखा है पर एलडीए के कान पर जूं तक नहीं रेंक रही है, जबकि गरीबों को अन्यत्र बसाए बिना ही उजाड़ रही है।

इसी के तहत बहुत से व्यापपारी व निवासी हाईकोर्ट चले गए थे। अब कोर्ट ने प्रशासन की कार्रवाई पर 22 जनवरी तक रोक लगा दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने अकबरनगर में दुकान व मकानों को ढहाने की कार्रवाई पर रोक लगाते हुए अगले चार सप्ताह तक यथास्थिति बहाल रखने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 22 जनवरी को होगी। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ से शहर के अकबरनगर निवासियों को बड़ी राहत मिली।

बिखरा सामान, बिलखते मासूम, बदहवास बुजुर्ग, सिसकती औरतें दिल को दहलाने वाला मंजर

हाईकोर्ट के आदेश पर छाई खुशी

हाईकोर्ट के आदेश की जानकारी लेकर अधिवक्ता अकबरनगर पहुंचे। उन्होंने लोगों को बताया कि चार सप्ताह तक कार्रवाई पर रोक लग गई है और 22 जनवरी को अगली सुनवाई होगी। आदेश की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी। यही नहीं, बड़ी संख्या में लोग घरों से निकलकर कॉलोनी की गली में एकत्र हो गए। लोगों ने हाथ में तिरंगा लेकर मुख्य मार्ग पर निकलने की कोशिश की। हालांकि, पुलिस बल की सख्ती के कारण ये मुख्य मार्ग पर नहीं आ सके। कॉलोनी के भीतर लोगों ने पटाखे भी फोड़े। यही नहीं, ढोल नगाड़े बजाकर हाईकोर्ट के फैसले पर खुशी जताई।

एलडीए की बड़े लोगों पर मेहरबानी

हजारों लोग और आशियाना छोड़कर जाने का गम। हर तरफ चेहरे पर मायूसी। मानो रात भर सो नहीं पाए हों। जिला प्रशासन, एलडीए, नगर निगम और पुलिस विभाग के अफसर बुलडोजर लेकर अकबरनगर पहुंचे तो लोग घरों से बाहर निकल आए। घरों की महिलाएं बिलखने लगीं और बोझिल मन से सामान समेटने में लग गईं। दोपहर बाद बस्ती को हाईकोर्ट का फैसला आया। इसकी जानकारी स्थानीय लोगों सहित महिलाओं को हुई तो मायूसी दूर हुई और इस बार खुशी से उनकी आंखें छलक पड़ीं। अकबरनगर में सुबह से ही स्थानीय व्यापारी दुकानों के बाहर डटे थे। दुकानों के कर्मचारी भी मौजूद थे। प्रशासन ने सामान हटाने का दबाव बनाया, जिसके बाद दुकानें खुलने लगीं। यही नहीं बस्तियों से भी लोग सामान निकालने लगे। बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ अकबरनगर में जुटी रही। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस, पीएसी बल और सीआरपीएफ के जवान तैनात किए गए थे।

पुनर्वास योजना में सबको जगह दी जाए

कोर्ट ने अकबर नगर एक व दो में एलडीए की ध्वस्तीकरण कारवाई पर रोक लगा दी। कोर्ट ने एलडीए को आदेश दिया कि वहां के लोगों को पुनर्वास योजना में आवेदन करने को समय दे। विस्थापित होने वालों के पुनर्वास की करवाई पूरी होने के बाद ही उनके खाली होने वाले परिसरों का कब्जा लिया जाए। इसके लिए 4 सप्ताह का समय देकर कोर्ट ने तबतक वहां ढहाने की करवाई पर रोक लगा दी। कोर्ट ने मामले में एलडीए व अन्य पक्षकारों को जवाब दाखिल करने का समय देकर अगली सुनवाई 22 जनवरी की नियत की है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि निवासियों के जीवन की स्वतंत्रता और जीविका के अधिकार का उल्लंघन न किया जाय।

फोटो: सुमित कुमार

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।